

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

शुक्रवार, 29 नवम्बर 2013, बरेली, पांच पेटेरा, 18 संस्करण

www.livehindustan.com

‘फॉरेंसिक साइंस की अहम भूमिका’

बरेली। श्री राममूर्ति स्मारक कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी में इंस्पायर इंटरशिप-2013 के दूसरे दिन गुरुवार को छात्रों को फॉरेंसिक साइंस के एक्सपर्ट डा. जीएस सोढ़ी से रूबरू होने का मौका मिला। आरुषि हत्याकांड के खुलासे में अहम भूमिका निभाने वाले डा. सोढ़ी खालसा कालेज दिल्ली में फॉरेंसिक साइंस यूनिट में एसोसिएट

प्रोफेसर हैं। डा. सोढ़ी ने बताया कि किसी भी व्यक्ति की पहचान का सबसे अच्छा जरिया फिंगर प्रिंट होता है। उन्होंने नैना साहनी और आरुषि कांड का दिया। जामिया हमदर्द दिल्ली से पीएचडी करने वाले डा. एम मुस्तकीम अब्दुल्ला ने फॉर्मसी के क्षेत्र से जुड़ी जानकारियां दीं। डा. प्रभाकर गुप्ता, रतीश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल रहे।



एसआरएमएस में इंस्पायर इंटरशिप-2013 के दूसरे दिन गुरुवार को डा. जीएस सोढ़ी ने छात्रों को फॉरेंसिक साइंस के बारे में बताया।